● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 फुलवारी शरीफ में महादलित बच्चियों के साथ रेप हत्याकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

03 कड़ाके की ठंड में गुरुवार रात को रेलवे स्टेशन पर जरूरतमंदों को कम्बल वितरित

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 13 जनवरी 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 04, अंक: 328

पटना में बढ़ते ठंड को देखते हुए 16 जनवरी तक बंद रहेंगे सभी स्कूल, DM ने जारी किया आदेश

पटना। बिहार में लगातार ठंड का कहर बढ़ रहा है और पारा नीचे गिर रहा है. घने कोहरे और कड़ाके की ठंड से जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों को ठंड से बचकर रहने की हिदायत दी जा रही है। वहीं हाड़ कंपा देने वाली ठंड और शीतलहरी में सुबह-सुबह छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं सब कारणों और बढ़ते ठंड को देखते हुए पटना के जिलाधिकारी डॉक्टर चंद्रशेखर सिंह ने शुक्रवार को सभी सरकारी और निजी स्कूल एवं सभी आंगनबाड़ी केंद्र को बंद करने का आदेश दिया है।

अन्याय के खिलाफ निडरता से लड़ें: राहुल

युवा कांग्रेस की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारणी बैठक को किया संबोधित

बीएनएम@नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने युवाओं को निडर होकर अन्याय के विरुद्ध लड़ने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि युवाओं को एकजुट होकर देशहित में संघर्ष को जारी रखकर अन्याय करने वाली सरकार को लोकसभा चुनाव में बाहर करना है। गांधी ने युवा कांग्रेस की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारणी बैठक के समापन पर देशभर से आए युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को देश के सभी हिस्सों में देशवासियों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ना है और इस लड़ाई में किसी से भी डरना नहीं है। युवा कांग्रेस के

एक-एक कार्यकर्ता को पूरी मुस्तैदी के साथ देशहित में संघर्ष करना पड़ेगा।

सीईसी, ईसी की नियुक्ति कानून पर रोक लगाने से कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी कानून पर रोक लगाने की याचिका शुक्रवार को इनकार कर दिया। हालांकि इस मामले में केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह की कानून पर रोक लगाने की दलीलें खारिज करते हुए कहा, "हम इस तरह कानून पर रोक नहीं लगा सकते।"

केंद्रीय मंत्री प्रमाणिक को सुप्रीम कोर्ट ने दी गिरफ्तारी से राहत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक के खिल वर्ष 2018 में दर्ज हत्या के प्रयास के एक मामले में शुक्रवार को अंतिम राहत देते हुए पश्चिम बंगाल पुलिस को निर्देश दिया कि वह इस मामले में उच्च न्यायालय में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई होने तक याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न करे।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा मामले की सुनवाई होने तक याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि जलपाईगुड़ी में सर्किट पीठ की अगली तारीख 22 जनवरी है।

शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को अगली सुनवाई तक गिरफ्तारी से सुरक्षा देते हुए उच्च न्यायालय से उनकी याचिका का यथाशीघ्र निपटारा करने को कहा। पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने आश्वासन दिया कि उच्च न्यायालय में अगली सुनवाई तक कोई गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। उन्होंने अदालत से इसे आदेश में दर्ज नहीं करने का अनुरोध किया। श्री प्रमाणिक के वकील पी एस पटवालिया ने गुरुवार को अदालत के समक्ष दलील दी थी कि उनका मुवक्किल संसद सदस्य एवं मंत्री है। उच्च न्यायालय ने चार जनवरी को उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा देने से इनकार कर दिया था।

शीर्ष अदालत के समक्ष वकील ने कहा था कि पहले वह तृणमूल कांग्रेस में थे। अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ हैं, इसीलिए मामले में उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने उनकी दलील सुनने के बाद शीघ्र सुनवाई की उनकी गुहार स्वीकार की थी।

बिहार के मंत्री सुरेंद्र राम का केंद्र सरकार पर हमला, अक्षत फूल के बाद देश को जलाकर राख बांटेगी BJP

बीएनएम@रोहतास

देश मे राम मंदिर पर इन दिनों सियासत गरम है। ऐसे में बिहार सरकार के मंत्री लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। इसी कड़ी में बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री सुरेंद्र राम ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश भर में बांटे जा रहे अक्षत कलश को लेकर एक बड़ा बयान दिया है।

अक्षत फूल के बाद देश को जलाकर राख बांटेगी BJP'

दअरसल रोहतास में शुक्रवार को बिहार सरकार के मंत्री सुरेंद्र राम ने कहा कि हम राम मंदिर का विरोध नहीं करते हैं। वर्ष 2014 में केंद्र सरकार ने 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था लेकिन नौकरी देने की बजाय भाजपा, लोगों को अक्षत और फूल दे रही है। साथ ही देश को आग में जलाकर देश की राख बांटेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अपने वादों को भी पूरा नहीं कर सकी। बेरोजगारी दूर नहीं कर सकी। देश की संपत्तियों को गुजरात के चंद लोगों के हाथों बेच दिया। वहीं महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर फंसे पेंच पर भी उन्होंने जवाब दिया है। मंत्री सुरेंद्र राम ने कहा कि सीट बंटवारा कोई मसला नहीं है। पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा जल्द ही इस मसले को सुलझा लिया जाएगा।

परेशानी पेस्टिसाइड के स्मेल से दस्त और सांस लेने में परेशानी की आई शिकायत

निजी स्कूल में 24 बच्चों की हालत बिगड़ी

मुंगेर। जिले के निजी स्कूल में दो दर्जन बच्चों को दस्त और सांस लेने में परेशानी होने लगी। सभी बच्चो को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि स्कूल में लगे पेड़ों में स्कूल प्रबंधन द्वारा कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया था। बच्चों के क्लास रूम की खिड़की पेड़ों से सटे थे। कीटनाशक दवा की दुर्गंध से बच्चों को सांस लेने में परेशानी होने लगी और दस्त भी करने लगे। इससे स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। सभी बच्चो को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार इलाज के बाद सभी बच्चे सुरक्षित हैं। इस सूचना के बाद बच्चों के परिजनों ने राहत की सांस ली।

स्कूल में मची अफरा-तफरी

दरअसल, मामला कासिम बाजार थाना क्षेत्र के सोझी गंगा घाट रोड स्थित एक निजी स्कूल का है। उस समय अफरा तफरी मच गई जब बच्चों के परिजनों को जानकारी हुई कि स्कूल में गैस लिक हुआ है। इससे कई बच्चे बेहोश हो गए। वहीं, मामले की जानकारी मिलते ही बच्चों के परिजन स्कूल पहुंचे और स्कूल में अपने अपने बच्चों को ढूढने लगे। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंच गए। बताया जाता है कि स्कूल में आज सुबह कुछ पेड़ों में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया था। पेड़ से सटे स्कूल बिल्डिंग में क्लास तीन, चार और पांच के बच्चे को सांस लेने में परेशानी होने लगी।

विधायक ने बच्चों का जाना हाल-चाल

इस घटना के बाद स्कूल प्रशासन ने इसकी जानाकारी सदर अस्पताल को दी। आनन फानन में सदर अस्पताल के कई एम्बुलेंस स्कूल पहुंची और सभी बच्चों को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां सभी बच्चों को ऑक्सीजन सहित दवा दी गई। इलाज के बाद सभी बच्चों को घर भेज दिया गया। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद बीजेपी विधायक प्रणव कुमार यादव सदर अस्पताल पहुंचे और बच्चों से मुलाकात की। प्रणव यादव ने कहा कि जानकारी ली जा रही है। घटना कैसे हुई है और इतने बच्चों की तबीयत क्यों खराब हुई है।

एसडीपीओ ने दी जानकारी

इस घटना को लेकर सदर एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि दोपहर 12:30 बजे जानकारी हुई। कुछ बच्चों की तबीयत खराब हुई है, जिसके बाद हमलोग स्कूल पहुंचे। लगभग 18 बच्चों की तबीयत बिगड़ी थी, जिसे सदर अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के बाद सभी बच्चों को सुरक्षित घर भेज दिया गया।

इंडिया गठबंधन की शनिवार को होगी अहम बैठक

नयी दिल्ली। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की शनिवार को महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार को संयोजक और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को गठबंधन का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार बैठक सुबह 11.30 बजे होगी। बर्चुल आधार पर हो रही इस बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस के शरद पवार, डीएमके के एम के स्टालिन सहित कई प्रमुख नेताओं के भाग लेने की संभावना है जिसमें श्री कुमार को संयोजक और श्री खड़गे को अध्यक्ष बनाए जाने के साथ ही सीटों के बंटवारे को लेकर भी रणनीति पर विचार किया जा सकता है। गठबंधन की अब तक पटना, बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली में बैठक हो चुकी है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

फुलवारी शरीफ में महादलित बच्चियों के साथ रेप हत्याकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@पटना

पटना के बाहरी इलाके फुलवारीशरीफ इलाके में महादलित बच्चियों के साथ रेप हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसएसपी ने बताया कि एक ही अभियुक्त ने घटनाकांड को अंजाम दिया था। मामले में जांच जारी है।

फुलवारी शरीफ इलाके में सोमवार को दो महादलित लड़कियों का कथित तौर पर अपहरण कर उनके साथ गैंगरेप किया गया, जिसमें से एक लड़की की मौत हो गई थी। दूसरी गंभीर रूप से जख्मी हालत में मिली थी। पीड़िता का पटना एम्स) में इलाज चल रहा है।

इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने बुधवार को विरोध स्वरूप राष्ट्रीय राजमार्ग के पटना-आरा खंड को छह घंटे से अधिक समय तक बंद रखा था। स्थानीय लोगों के अनुसार महादलित परिवारों की दोनों लड़कियां सोमवार को जलावन की लकड़ी इकट्ठा करने गईं लेकिन देर रात तक अपने घर वापस नहीं लौटी। मंगलवार की सुबह उनमें से एक बच्ची का शव हिंदुनी गांव के एक खेत में मिला, जबकि दूसरी बच्ची उसी स्थान पर बेहोश पड़ी मिली थी।

पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के हिंदूनी गांव में अभी भी भय और दहशत का माहौल व्याप्त है। लोग अपनी बच्चियों को घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे। प्रशासन ने अपनी तरफ से गांव की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया हुआ है और असुरक्षा का माहौल दूर करने के मकसद से गांव में भी जवानों की बड़े पैमाने पर तैनाती की गई है।

दो फरवरी को होगी बिहार में लागू नए आरक्षण बिल पर सुनवाई

बीएनएम@पटना

बिहार के नए आरक्षण बिल मामले पर शुक्रवार को पटना उच्च न्यायालय में एक बार फिर से सुनवाई हुई।मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 2 फरवरी निर्धारित की।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता दिनु कुमार ने बताया कि सुनवाई के दौरान एक एमएलए और एक एमएलसी के तरफ से वरीय अधिवक्ता वाईबी गिरी ने इन दोनों को पार्टी बनाने की बात कोर्ट के समक्ष रखी। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह अगली सुनवाई यानी कि दो फरवरी को तय होगा कि इन दोनों को पार्टी बनाया जाए या नहीं। इस मामले पर पहली सुनवाई 9 नवंबर को हुई थी।

उल्लेखनीय है कि बिहार विधानमंडल से 9 नवंबर 2023 को अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा और अतिपिछड़ा आरक्षण बिल 2023 को पारित किया गया था।इसके तहत एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी के आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी कर दी गई थी। वहीं ईडब्लूएस का 10 फीसदी आरक्षण अलग से है।यानि कि बिहार में आरक्षण का दायरा 75 फीसदी पहुंच गया है।

इसके बाद इसको लेकर पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी।इस मामले में मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार से चार सप्ताह के भीतर अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा था।

मुजफ्फरपुर में बच्चे के पांव के ऑपरेशन के बाद सुई अंदर ही छोड़ कर दिया प्लास्टर

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही सामने आई है जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन के दौरान स्कूली बच्चे के पैर में टांका लगाकर अंदर ही सुई छोड़ दी और ऊपर से प्लास्टर कर दिया।

बीते 24 नवम्बर 2023 को मुजफ्फरपुर जिले में मिनापुर प्रखंड के धरमपुर पंचायत इलाके क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मोथहामल मे एक पेड़ का डाल बच्चों के ऊपर गिर गया, जिसमें सात बच्चे घायल हो गए थे। वहीं एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था।

घायल बच्चों का इलाज पहले एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर में करवाया गया,जहां इलाज के दौरान एक बच्चे के पैर के भीतर ही निडील छोड़कर ड्रेसिंग कर दिया गया, जिसके बाद उस बच्चे की हालत और बिगड़ गई। हालत बिगड़ने के बाद परिजन ने बेहतर इलाज के लिए उसे पटना स्थित पीएमसीएच ले गए, जहां जांच के दौरान पता चला की पैर के अंदर नीडील होने के कारण बच्चे के पैर मे इन्फेक्शन फैल गया है। परिजन ने उसे बेहतर इलाज के लिए ग्रामीणों के सहयोग से मुजफ्फरपुर शहर के एक निजी अस्पताल मे भर्ती करवाया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

घायल बच्चे की मां का कहना है कि स्कूल की घटना के बाद बच्चे का इलाज एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में करवाया और घर लेकर चले गए। बाद में दर्द होने पर दूसरे जगह इलाज कराया तो पता चला की पैर में सुई की निडिल को छोड़ दिया गया है। जिसको लेकर अब इलाज करके हटा दिया गया है। जिससे बच्चे का पैर काटने से बचा लिया गया।

इस पूरे मामले को लेकर सिविल सर्जन डॉ ज्ञान शंकर ने बताया है कि मामला संज्ञान में आया है कि एक बच्चे के स्टीच के दौरान निडिल छोड़ी गई है। अभी कोई शिकायत नहीं किया गया है। अगर शिकायत मिलती है तो जांच कर करवाई किया जायेगा। मामला एसकेएचसीएच मेडिकल कालेज से जुड़ा हुआ है इसलिए पूरे मामले में जानकारी लिया जायेगा।

22 जनवरी को दीपावली मनाएं और आस्था का प्रकाश फैलाएं: सुशील मोदी

पटना। राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने बिहार की जनता से अपील की है कि अयोध्या के रामजन्म भूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर पर 22 जनवरी की शाम सब लोग कम से कम पांच दीप जलाकर दीपावली मनाएं और राम-विरोधी नकारात्मकता के अंधेरे में आस्था का प्रकाश फैलाएं।

दो फरवरी को होगी बिहार में लागू नए आरक्षण बिल पर सुनवाई

पटना। बिहार के नए आरक्षण बिल मामले पर शुक्रवार को पटना उच्च न्यायालय में एक बार फिर से सुनवाई हुई।मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 2 फरवरी निर्धारित की।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता दिनु कुमार ने बताया कि सुनवाई के दौरान एक एमएलए और एक एमएलसी के तरफ से वरीय अधिवक्ता वाईबी गिरी ने इन दोनों को पार्टी बनाने की बात कोर्ट के समक्ष रखी।

इस पर कोर्ट ने कहा कि यह अगली सुनवाई यानी कि दो फरवरी को तय होगा कि इन दोनों को पार्टी बनाया जाए या नहीं। इस मामले पर पहली सुनवाई 9 नवंबर को हुई थी।

उल्लेखनीय है कि बिहार विधानमंडल से 9 नवंबर 2023 को अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा और अतिपिछड़ा आरक्षण बिल 2023 को पारित किया गया था।

इसके तहत एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी के आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी कर दी गई थी।

वहीं ईडब्लूएस का 10 फीसदी आरक्षण अलग से है।यानि कि बिहार में आरक्षण का दायरा 75 फीसदी पहुंच गया है। इसके बाद इसको लेकर पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

इस मामले में मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार से चार सप्ताह के भीतर अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा था।

उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत ने पटना साहिब में टेका मत्था

पटना। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) तीन दिवसीय बिहार दौरे पर शुक्रवार को पटना साहिब पहुंचे। उन्होंने यहां दशमेश पिता गुरु गोबिंद सिंह के जन्म स्थान श्री पटना साहिब में मत्था टेका और उत्तराखंड प्रदेश एवं देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और प्रगति की कामना की। पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि मैं अपने आप को सौभाग्यशाली मानता हूं कि गुरुजी की पावन धरती में आने का अवसर प्राप्त हुआ। कुछ दिनों में गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जायेगा। उन्होंने इस पौष महीने को उत्साह और श्रद्धांजलि के रूप में अर्पित करने की अपील भी की।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL, AWAKE ARISE ACHIEVE, M.S.M.P.S., BALGANGA, MOTIHARI
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

50 महादलित नवजात बच्चों के बीच किया गया स्वेटर वितरण

बच्चों के माता-पिता पहले और आंगनबाड़ी की सेविका दूसरी है टीचर

पताही। प्रखंड मुख्यालय स्थित बाल विकास परियोजना के कार्यालय में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 51 बच्चों के बीच सर्दी से बचाओ को लेकर गर्म कपड़ा का वितरण चिरैया विधानसभा क्षेत्र के विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता प्रखंड विकास पदाधिकारी सम्राट जीत वं सीडीपीओ सादान्द दास के नेतृत्व में किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों से श्री विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा बच्चों को शिक्षित करने के लिए तरह-तरह की योजना चलाई जा रही है अगर कोई आसपास में शिक्षा लेने से वंचित है तो उसे बगल के आंगनबाड़ी केंद्र से जोड़े की भविष्य में हो सकता है कि वह बच्चा बच्ची डॉक्टर इंजीनियर या और अधिकारी बन जाए। जो आपके समाज का नाम रोशन कर सके

मुखिया ने इसे सरकार की बेहतर पहल बताते हुए कहा कि इस ठंड में स्वेटर बच्चों को ठंड से बाएगा। वही बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सदानंद दास ने सभी अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों को आंगनबाड़ी जरूर भेजें। कहा कि माता-पिता पहले और आंगनबाड़ी की सेविका दूसरी टीचर है। जहां बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के साथ खेल से जोड़ा जाता है। उन्होंने सेविका व सहायिका से बच्चों की देखरेख अपने बच्चों की तरह करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि यह स्वेटर महादलित बच्चों के बीच कुल 50 बच्चों के बीच स्वेटर वितरण किया गया।

स्वेटर पाकर बच्चो के मन में खुशी देखी गई वहीं अभिभावको ने कहा, अब बच्चे ठंड के मौसम में स्वेटर पहन कर आंगनवाड़ी जाएंगे जो ठंड से राहत मिलेगा। मौके पर एलएस सरोज सिंह, शिल्पा कुमारी, सेविका पल्लवी रानी, महालक्ष्मी कुमारी, रजवंती कुमारी सहित उन लोगों उपस्थित रहे।

कड़ाके की ठंड़ में गुरुवार रात को रेलवे स्टेशन पर जरूरतमंदों को कम्बल वितरित

मोतिहारी। कड़ाके की ठंडी. में चंपारण नागरिक मंच ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंदों के बीच कम्बल वितरण का शुभारंभ गुरुवार को स्थानीय बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन से आरम्भ किया। सैकड़ों से अधिक असहाय व जरूरतमंदों को चंपारण नागरिक मंच के अध्यक्ष अधिवक्ता विनोद कुमार दूबे के नेतृत्व में मंच के सभी सदस्यों के द्वारा जरूरतमंदों को कम्बल ओढ़ाया गया।

अधिवक्ता श्री दूबे ने कहा कि कंबल वितरण कार्यक्रम एक हफ्ते तक शहर के विभिन्न चिन्हित स्थानों पर चलता रहेगा। कहा कि शनिवार को कंबल वितरण कार्यक्रम सदर अस्पताल में किया जाएगा। ज्ञात हो कि इस समय कड़ाके की ठंडी के साथ-साथ पछुआ हवा से आमलोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हों गया है और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं।

चंपारण नागरिक मंच हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़ा हैं और रहेगा। इस पुनित कंबल वितरण कार्यक्रम में मंच के मितुल कुमार, संजय कुमार, अमिता निधि, मंजय मिश्रा, स्वर्णिम प्रभात, रजनी ठाकुर, राकेश रौशन, शशिभूषण पटेल, संजय लोहिया, सुमित जायसवाल सहित अन्य ने सराहनीय भूमिका निभाई। उक्त आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र मिश्र बाबा ने दी है।

स्वर्ण व्यवसायी से बीस लाख की रंगदारी में एक आरोपी गिरफ्तार

रामगढ़वा। स्थानीय थाना क्षेत्र के रामगढवा बाजार के एक स्वर्ण व्यवसायी से वाटसअप पर बुधवार को 20 लाख की रंगदारी मांगी गयी हैं। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ने बताया कि रामगढवा बाजार निवासी स्वर्ण व्यावसायी अजय सर्राफ से उसके वाटएपस नंबर पर बुधवार को कॉल आया है। और अजय सर्राफ के वाटसअप पर अज्ञात ने 20 लाख रंगदारी दे द ना त तोहरा बेटा के गोली मार देम और खानदान समाप्त कर देम धमकी भरा लिखकर भेजा है। पुलिस ने अज्ञात पर कांड संख्या 04/24 दर्ज कर दिया है। पुलिस ने बताया कि मोबाइल नंबर से जांच की छापेमारी कर रंगदारी मांगने वाले को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया गया हैं। वही थानाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को छापेमारी कर गस्ती दरम्यान में रंगदारी आरोपी बैरिया गांव के निवासी आजाद

हुसैन सवारी को नरीरगीर चौक से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया हैं।

मौके पर गस्ती दरम्यान में थाना अवर निरीक्षक रामनारायण ओझा, एएसआई नवनीत कुमार व विवेक कुमार सहित थाना सिपाही व चौकीदार मौजूद थे।

ठंड के कहर से कक्षा 1 से 8 तक पश्चिम चंपारण के सभी सरकारी एवं निजी स्कूल बन्द

बेतिया। जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया गया है कि पश्चिम चंपारण जिले में चल रही शीतलहर एवं अधिक ठंड के कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। उक्त स्थिति में बेतिया डीएम के आदेशानुसार कक्षा 1 से 8 तक जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों (मदरसा, संस्कृत, अल्पसंख्यक सहित) में शनिवार 13 जनवरी से 16 जनवरी तक पठन-पाठन बन्द रहेगा। साथ ही कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक जिले के सभी सरकारी एवं निजी माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य सुबह 11 बजे से अपराह्न 03 बजे तक संचालित किये जाएंगे।

दु :खद | परिजनों ने हत्या की जताई आशंका

जेडीयू उपाध्यक्ष के भाई का शव फंदे से लटकता हुआ मिला

बीएनएम@मोतिहारी

जिला जेडीयू उपाध्यक्ष सुनील सिंह के भाई का संदिग्ध अवस्था में शव शुक्रवार को मिला है. दरपा थाना क्षेत्र में लकड़ी व्यवसायी सुजीत सिंह की संदिग्ध मौत से इलाके में हड़कंप मच गया. घटना की जानकारी के अनुसार लकड़ी चिराई मिल में फंदे से लटकते हुए सुजीत सिंह का शव बरामद हुआ है. शव को दरपा थाना क्षेत्र के गम्हरिया कला गांव स्थित लकड़ी चिरान मिल से बरामद किया गया है. मृतक की पहचान बथुअहिया गांव निवासी सुजीत सिंह के रूप में हुई है. वहीं, मृतक के परिजन आशंका जता रहे हैं कि हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया गया है।

मृतक के भाई ने दी जानकारी

मृतक के भाई ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार की सुबह रक्सौल के लिए भाई निकले थे. कल देर रात वह अपनी बेटी को फोन पर बताए थे कि रक्सौल के नोनियाडीह में हैं और खाना खा लेने की भी जानकारी दी थी. वहीं, आज उनका शव अपने ही लकड़ी चिरान मशीन में लटका हुआ मिला है. उनकी हत्या कहीं अन्य जगह पर करके यहां लाकर लटका दिया गया है. हमलोगों को किसी से दुश्मनी भी नहीं है. सभी लोगों से अच्छा व्यवहार रहता है. लकड़ी चिराई मशीन में इसलिए ताला भी नहीं लगाया जाता है और रात में वहां कोई रहता भी नहीं था. किसने और क्यों हत्या की है? पता नहीं चल पा रहा है।

प्रथम दृष्टया में आत्महत्या का मामला प्रतित हो रहा है- पुलिस

रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पहुंचकर जायजा लिया गया. साथ स्थानीय थानाध्यक्ष को निर्देश देते हुए एफएसएल की टीम को बुलाकर जांच कराई जा रही है. हालांकि प्रथम दृष्टया में आत्महत्या का मामला प्रतित हो रहा है, लेकिन परिजनों के द्वारा हत्या की आशंका जताई जा रही है. स्थानीय थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि घटना में सभी बिंदुओं पर ध्यान देते हुए जांच करें, जिससे मामला स्पस्ट हो सके।

अलाव से घर में लगी आग...गाय की हुई मौत

मोतीहारी। मोतिहारी में प्रखंड क्षेत्र के नोनियाडीह पंचायत के सहदेवा गांव में आग लगने से फूस का घर जल गया व उसमे बंधी गाय भी जल कर मर गई। आग सत्य नारायण पटेल के घर में लगी थी। आग लगने का कारण अलाव जलाना बताया जा रहा है। सत्य नारायण पटेल ने बताया कि रात्रि गाय को घर मे बांध कर अलाव को ढल कर ताकि चिंगारी न फैले उसके बाद सोने चले गए। एक बैग हल्ला होता है कि गाय वाले घर मे आग लग गई है। उसके बाद परिवार और ग्रामीणों ने पूरी कोशिश की आग पर काबू पाने के लिए लेकिन अग्निशमन की दो गाड़ियां पहुंचने के बाद ही आग पर काबू पाया गया।

बेतिया में सरकारी टीचर का मिला शव, हड़कम्प

बीएनएम@बेतिया

पश्चिम चंपारण के सरकारी टीचर का पंखे से लटका शव मिला है। घटना का खुलासा सरकारी टीचर आनंद के रूममेट व उसका ग्रामीण शिक्षक शशिकांत विश्वकर्मा के पहुंचने (स्कूल से आने पर)पर शाम में हुई।घटना की सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर राजीव कुमार के नेतृत्व में मौके पर पहुंची सिकटा थाने की पुलिस ने छानबीन की और घटना की जानकारी आनंद के परिजन को दी गयी। आनंद के परिजन के जिले के सिकटा पहुंचने पर शुक्रवार की सुबह पुलिस ने शव को पंखे से उतराकर पोस्टमार्टम हेतू बेतिया भेजा। पुलिस घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी जब्त किया है।आनंद सिकटा के जगीराहां गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में वर्ष-2022 में अपने ग्रामीण शशिकांत के साथ पदस्थापित था। दोनों शिक्षक की पहचान यूपी के सुल्तानपुर जिले के विवेक नगर के क्रमशःस्वर्गीय भरत कुमार पांडेय व योगेन्द्रचन्द्र विश्वकर्मा के पुत्र के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार आनंद पांडेय व शशिकांत विश्वकर्मा दोनों

सुल्तानपुर(यूपी)के विवेक नगर के रहने वाले है। दोनो का वर्ष-2022 में एक ही विधालय में पोस्टिंग होने के बाद सिकटा बाजार के इन्द्र चौक अवस्थित शम्भु स्वर्णकार के मकान में एक ही रूम में किराया लेकर रहने लगे। गुरुवार को आनंद स्कूल नहीं गया था।शशिकांत ने जब लगभग छह बजे स्कूल से लौटने पर दरवाजा बंद मिला।शशिकांत ने पहले आनंद के मोबाईल पर दरवाजा खोलने के लिए कॉल किया लेकिन आनंद के मोबाईल से जवाब नहीं दिए जाने पर शशिकांत ने किसी तरह दरवाजा खोला।दरवाजा खोलते ही आनंद का पंखे से लटकते देख भौंचक व बेचैन हो गया। शशिकांत ने तत्क्षण अपने एचएम को मोबाईल पर घटना की जानकारी दी तथा मकान से नीचे उतरकर मकान मालिक को भी बताया। मकान मालिक ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

किन्नर को चाकू मारने वाला युवक गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

बीएनएम@रक्सौल

रक्सौल में 29 अक्टूबर को एक युवक ने एक किन्नर को चाकू मार कर बुरी तरह घायल कर दिया था। किन्नर गणेश तकरीबन 20 दिनों तक डंकन हॉस्पिटल में इलाजरत रहा उसके बाद उसकी जान बच सकी। घटना के बाद परिजन और किन्नरों के समाज ने हरैया ओपी में 6 लोगों के ऊपर प्राथमिकी दर्ज करा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी।

जिसके बाद बीती रात आरोपियों में से

खिडलीचिया निवासी गौहर अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस मामले में अभी पांच आरोपी फरार चल रहे हैं। इसमें मुख्य आरोपी आमिर अंसारी अभी भी फरार चल रहा है। हरैया ओपी प्रभारी अनुज कुमार ने बताया कि शेष आरोपी भी जल्द गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

वहीं गिरफ्तारी की खबर सुन किन्नरों का समूह थाना गेट पर पहुच जश्न मनाने लगी व पुलिस कर्मियों को इसके लिए बधाईयां देने लगी। गणेश ने बताया कि केस उठाने के लिए आज भी धमकी आती है। आरोपी के घरवाले कहते हैं कि इस केस से कुछ नहीं होगा केस उठा लो, वहीं आरोपी की गिरफ्तारी से हरैया ओपी पुलिस को गणेश ने शुक्रिया अदा करा।

गणेश नाच पार्टी में करता है काम

गणेश नाच पार्टी में काम करता है, नाच के दौरान ही खिडलीचिया निवासी सिरफिरे आशिक आमिर अंसारी गणेश से प्यार करने लगा था। गणेश के विरोध करने पर मारता पिटता था। एक दिन आशिक आमिर अंसारी ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर 28 अक्टूबर को देर शाम मिठाई खिलाया जिसके बाद गणेश बेहोश हो गया था। जिसके बाद गणेश बेहोशी के हालात में गंभीर अवस्था मे घायल मिला था। गणेश ने बताया कि आमिर अंसारी अपने साथियों के साथ मिलकर चाकू से हमला कर मुझे बुरी तरह घायल किया था। गणेश ने मुख्य आरोपी आमिर अंसारी के साथ अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी की मांग की है।

Editorial

काशी में गोवा से भी ज्यादा पर्यटक

अगर कोई यह मानता है कि सबसे अधिक टुरिस्ट समुद्र के किनारे के तटों पर या फिर आकाश को छूते पहाड़ों में सैर करने को आते हैं तो उन्हें एक बार फिर सोचना होगा। मतलब यह है कि अब न तो सबसे अधिक टूरिस्ट गोवा आ रहे हैं या फिर शिमला, नैनीताल या कश्मीर या हिमाचल किसी अन्य हिल स्टेशन पर। आज के दिन सबसे ज्यादा टूरिस्ट को अपनी तरफ आकर्षित करने लगा है वाराणसी। आईसीआईसीआई के एक सर्वे से पता चला है कि पिछले साल-2022 में वाराणसी में 7.02 करोड़ टुरिस्ट पहुंचे। गोवा के हिस्से में लगभग मात्र 85 लाख टूरिस्ट । यूं तो वाराणसी में लगातार खूब टूरिस्ट पहले से ही आते थे पर 2015 के बाद तो स्थिति वाराणसी के पक्ष में पूरी तरह से पलट गई। इस लिहाज से गेम चेंजर साबित हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे (अब स्मृति शेष) का धर्म नगरी वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में 2015 में भाग लेना। गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, हमारी भारतीय सनातन संस्कृति की वाहक भी है। इस लिहाज से जापान के प्रधानमंत्री के स्वागत में काशी में गंगा आरती का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौलिक और व्यापक सोच का परिचय देने वाला था। गंगा आरती महज एक पूजाविधि नहीं है। मोदी-आबे ने गंगा आरती मे भाग लेकर दुनिया में भारत की खोई हुई या यूं कहें कि तिरस्कृत का दिये गये सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ने अपनी जगह बनाई थी। बीते 60 सालों की राजनैतिक सत्ता ने इस छवि को नजरअंदाज कर एक उपभोगी देश की छवि के रूप में भारत को दुनिया के सामने पेश किया था । संस्कृति के नाम पर ताज के मकबरे को ही खूब भुनाने की कोशिश की गयी। लेकिन, गंगा की "ब्रांडिंग" तो सही माने में भारत के लिए आत्मगौरव का क्षण था। टूरिज्म क्षेत्र के जानकार कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और जापान के प्रधानमंत्री आबे के गंगा आरती में भाग लेने के बाद सारे देश में वाराणसी को लेकर एक नई तरह की सकारात्मक सोच विकसित होने लगी।

आपसी शह-मात के खेल में उलझा विपक्षी गठबंधन

विकास सक्सेना

लोकसभा चुनाव में भाजपा को हरा कर मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने से रोकने के लिए बनाए गए विपक्षी गठबंधन के नेता फिलहाल एक-दूसरे के खिलाफ ही षड़यंत्र रचने में जुटे हैं। सामान्य तौर पर राजनीति में भितरघात कुशल रणनीति माना जाता है, लेकिन इंडी गठबंधन में शामिल दलों के नेता इस सामान्य परम्परा का भी पालन करने को तैयार नहीं हैं। वे खुले मंचों से एक- दूसरे के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्षेत्रीय दलों के निशाने पर सबसे ज्यादा कांग्रेस और उसके नेता हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की नेता वृंदा करात, केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव जिस तरह कांग्रेस की नीतियों और नेताओं प Today's Opinion कांग्रेस पर दबाव बनाने की रणनीति के

उससे राजनैतिक हलकों में इस बात की चर्चा होने लगी है कि विपक्षी गठबंधन के ये नेता भाजपा को हराने के लिए एकजुट हुए हैं या फिर उनका उद्देश्य कांग्रेस को खत्म करना है। लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल और नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड को विपक्षी गठबंधन का सबसे मजबूत साथी माना जा रहा था क्योंकि ये पहले से यूपीए का हिस्सा थे लेकिन इंडी गठबंधन में चर्चा के बिना ही इन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बिहार की लोकसभा की सीटों का आपस में बांट कर अपनी मंशा साफ कर दी है। बिहार की लोकसभा की कुल 40 सीटों में से राजद और जदयू ने 17-17 सीटें आपस में बांट ली हैं। बाकी बची छह सीटें कांग्रेस और वामपंथी दलों के लिए छोड़ी गई हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में जदयू भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल थी और उसने अपने हिस्से की 17 सीटों पर प्रत्याशी उतार कर 16 पर जीत हासिल की थी। इसलिए जदयू 17 से कम सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं है। अब यह देखना काफी रोचक होगा कि क्या कांग्रेस और वामपंथी दल महज छह सीटें पाकर संतुष्ट रह पाएंगे। राजद और जदयू ने जिस तरह बिहार की लोकसभा सीटों को आपस में बांट लिया

तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल विपक्षी गठबंधन की बैठक में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव रख दिया। उनके प्रस्ताव का अरविन्द केजरीवाल ने समर्थन कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दलित समाज से आते हैं इसलिए कोई भी नेता उनके इस प्रस्ताव का विरोध करने का साहस नहीं जुटा सका। लेकिन इस प्रस्ताव पर कोई सहमति भी नहीं बन सकी। फिर भी उनके इस दांव से गठबंधन के तमाम नेता चारों खाने चित हो गए। ममता बनर्जी के इस प्रस्ताव ने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हुए देखने के सोनिया गांधी के सपने को ही नहीं तोड़ा बल्कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव को भी गहरी चोट दे दी। पटना में पहली बैठक करवा कर विपक्षी गठबंधन की आधारशिला रखने वाले नीतीश कुमार को उम्मीद थी कि उनको विपक्षी गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार या गठबंधन का संयोजक चुन लिया जाएगा, पटना के बाद कई बैठकें हो चुकी हैं लेकिन अभी तक गठबंधन का संयोजक चुनना तो दूर उनके नाम पर गंभीर चर्चा तक नहीं हुई है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्वच्छ भारत मिशन- साफ होते शहर-गांव

आर.के. सिन्हा

करीब नौ साल पहले का वह मंजर यकीनन यादगार था जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं झाड़ू लेकर राजधानी दिल्ली की सड़कों पर सफाई करने उतरे थे। उनके पीछे-पीछे उनके मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों से लेकर सरकारी बाबुओं का हुजूम भी सड़कों पर उतर आया था। 2014 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के दिन प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन का आगाज किया था। यकीनन, महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें इससे बेहतर श्रद्धांजलि शायद दी भी नहीं जा सकती थी। आजाद भारत में संभवतः यह पहला मौका था जब देश में स्वच्छता को लेकर सरकार ने इतनी गंभीरता दिखलाई। 140 करोड़ की आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाला अगुआ यदि खुद सड़क पर उतर आए, फिर समुद्र तट पर घूम-घूम कर कूड़ा उठाने लग जाए, तो यह समझना कतई मुश्किल नहीं कि देश की हुकूमत का साफ-सफाई को लेकर नजरिया क्या है। बीते कुछ वर्षों में, जाहिर तौर पर स्वच्छता के मोर्चे पर हमने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आज शहरों के बीच स्वच्छता को लेकर देशभर में कई प्रतियोगिताएं हो रही हैं। उनमें एक-दूसरे से बेहतर करने की होड़ लगी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने अबतक के कार्यकाल में स्वच्छता अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। शायद यही वजह है कि स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत के बाद भारत में स्वच्छता का पुनर्जागरण हुआ है। मिशन ने न केवल शहरों का कायाकल्प किया बल्कि गांवों में भी स्वच्छता की अलख जगाई। अपने देश को साफ-सुथरा रखने की संवेदनशीलता और भावना आज पूरे देश में दिखती है। गांधीजी आजीवन स्वच्छता की अलख जगाते रहे। दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान उन्हें श्वेत निवासियों के इस दावे से लड़ना पड़ा कि भारतीयों में स्वच्छता की कमी है और इसलिए उन्हें अलग रखने की जरूरत है। नटाल विधानसभा को लिखे खुले पत्र में गांधी ने कहा था कि जहां तक स्वच्छता मानकों का सवाल है, भारतीय भी यूरोपीय लोगों के बराबर हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें भी उसी तरह का ध्यान और अवसर दिया जाए। 1915 में भारत लौटने पर उन्होंने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अपने कार्यक्रमों के मूल में स्वच्छता के मंत्र को रखा। गांधीजी ने 1941 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए रचनात्मक कार्यक्रम नामक पुस्तिका प्रकाशित की। ग्राम स्वच्छता उन अठारह कार्यक्रमों में से छठा था जो गांधीजी ने उस पुस्तिका में बताए थे। कुछ अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम साम्प्रदायिक एकता, अस्पृश्यता निवारण, आर्थिक समानता, सविनय अवज्ञा आदि थे। आज गांधीजी के स्वच्छ भारत की परिकल्पना को पीएम मोदी साकार कर रहे हैं। यह दुर्भाग्य ही कहा जायेगा कि गाँधी के नाम पर राजनीति करने वाले किसी कांग्रेसी सरकार ने इसके ऊपर कोई ध्यान तक नहीं दिया। स्वच्छ भारत मिशन इन नौ साल में जनआंदोलन बन गया है। आज ज्यादातर सड़कें साफ-सुथरी दिखती हैं, गलियों में कूड़ा नहीं दिखता। चाहे पर्यटन स्थल हों या रेलवे स्टेशन। हर जगह सफाई दिखती है। देश ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। अब देश के कुल गांवों में से तीन-चौथाई यानी 75 प्रतिशत गांवों ने ओडीएफ प्लस का दर्जा हासिल कर लिया है। ओडीएफ प्लस गांव वह है, जिसने ठोस या तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को लागू करने के साथ-साथ अपनी खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति को बरकरार रखा है। आजतक 4.43 लाख से अधिक गांवों ने खुद को ओडीएफ प्लस घोषित कर दिया है। बात अगर उन राज्यों की करें जिन्होंने 100 प्रतिशत ओडीएफ प्लस गांव हासिल किए हैं वे हैं- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादर एवं नागर हवेली, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, लद्दाख, पुडुचेरी, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में - अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा नगर हवेली और दमन दीव, जम्मू और कश्मीर और सिक्किम में 100 प्रतिशत ओडीएफ प्लस मॉडल गांव हैं।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

इन चीजों का इस्तेमाल अपनी डाइट से, आज ही करें बाहर, दिखेंगे लाभ

खाना न सिर्फ हमारे शरीर के लिए जरूरी है बल्कि यह हमारे पूर्ण विकास में भी एक अहम भूमिका निभाता है।

अक्सर ऐसा कहा जाता है कि घर की बनी खाने की चीजें बाहर के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित और अच्छी रहती है। यही वजह है कि ज्यादातर लोग घर का बना साफ और स्वस्थ खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं आपके किचन में मौजूद कुछ चीजें, जिनका आप खाने में भी इस्तेमाल करते हैं, आपके लिए जहर का काम करती हैं। खाने में उपयोग की जाने वाली ये चीजें आपके लिए किसी स्लो प्वाइजन से कम नहीं हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आप इनके बारे में जानकर इसका कम से कम इस्तेमाल करना शुरू कर दें।

डॉक्टर्स की मानें तो मैदा और उससे बनी चीजों के अधिक सेवन से मोटापा, हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही मैदा पचने में भी काफी मुश्किल होता है, जिसकी वजह से यह धीरे-धीरे फैट्स बढ़ा देता है।

चीनी

चाय-कॉफी और लगभग हर मीठे व्यंजन में इस्तेमाल की जाने वाली चीनी यानी शक्कर आपकी सेहत के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदेय है।

चीनी के अधिक सेवन से आपको ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, वजन बढ़ना और फैटी लीवर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इतना नहीं शक्कर ज्यादा खाने से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ जाता है।

मैदा

मैदा हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रहा है। हालांकि, मैदा आटे से ही बनता है, लेकिन मैदा बनाने की प्रक्रिया के दौरान इसमें मौजूद कई सारे फाइबर्स और विटामिन्स अलग हो जाते हैं, जो इसे हानिकारक बना देता है।

डॉक्टर्स की मानें तो मैदा और उससे बनी चीजों के अधिक सेवन से मोटापा, हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही मैदा पचने में भी काफी मुश्किल होता है, जिसकी वजह से यह धीरे-धीरे फैट्स बढ़ा देता है।

नमक

अधिक मात्रा में नमक का सेवन भी सेहत के लिए काफी हानिकारक माना गया है। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नमक की अधिकता कई गंभीर समस्याओं की वजह बन सकती है।

ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

फ्रोजन फूड

ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

अगर आप भी खाने में फ्रोजन फूड का काफी इस्तेमाल करते हैं, तो अब सर्तक होने का समय आ गया है। दरअसल, फ्रोजन फूड सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है। दरअसल, ऐसे खाद्द पदार्थों में कई सारे आर्टिफिशियल कलर्स और प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं। इसकी वजह से हार्ट अटैक और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की संभावनाएं बनी रहती हैं।

वनस्पति घी

वनस्पति घी हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। इसमें ट्रांस फैट होता है, जिसके लगातार इस्तेमाल से मोटापा बढ़ जाता है। इतना ही नहीं वनस्पति घी का ज्यादा उपयोग करने से दिल की बीमारियों और ब्रेन स्टोक्स का खतरा भी बढ़ जाता है।

बच्चे की ये आदतें बना सकती हैं उसे बीमार, ठीक होते ही फिर हो सकती है बीमारी

हमारी आदतें ही हमारी बीमारी का कारण हो सकती हैं और बच्चों में तो यह बात और भी ज्यादा सही बैठती है क्योंकि बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होती है और जब वो अनहेल्दी आदतों में लिप्त रहते हैं तो बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है। यहां हम आपको कुछ रोजमर्रा की ऐसी हेल्दी आदतों के बारे में बता रहे हैं जो बच्चे की इम्यूनिटी को मजबूत करने का काम करेंगी और बीमारी से भी बचा जा सकेगा। अगर आपका बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है या उसे सर्दी-खांसी जैसी आम बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं या उसकी इम्यूनिटी कमजोर है, तो आपको आदतों पर गौर करना चाहिए।

हाथों की सफाई है जरूरी

यह सुनने में जितना मामूली लगता है, संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए हाथ धोना उतना ही ज्यादा प्रभावी है। हाथ धोना उन कीटाणुओं और विषाणुओं को खत्म करने का एक शानदार तरीका है जो बच्चे खेलते समय, खिलौनों को शेयर करने, वस्तुओं को छूने आदि के दौरान ले सकते हैं। खासकर यदि आपके पड़ोस, स्कूलों या यहां तक कि आपके घर में कोई वायरस फैल रहा है, तो सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा नियमित रूप से अपने हाथ अच्छी तरह धोए।

चेहरे को छूना

कई वायरस हवा के माध्यम से फैलते हैं, जो बीमार व्यक्ति द्वारा खांसने या छींकने पर आते हैं। यह नाक, आंख और मुंह के जरिए दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करता है। आप बच्चे को बताएं कि चेहरे को छूने से बचना क्यों आवश्यक है।वयस्कों के लिए भी, चेहरे को छूने की आदत नहीं रखनी चाहिए।

पर्याप्त नींद है जरूरी

पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है, खासकर बच्चों के लिए। नींद की कमी अक्सर कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी होती है। अध्ययनों से पता चला है कि जिन लोगों को अच्छी नींद नहीं आती है, उनके बीमार होने की संभावना अधिक होती है और यह बच्चों में भी होता है। माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे पर्याप्त नींद ले रहे हैं या नहीं।

ये मसाले बॉडी को रखते हैं अंदर से गर्म, ऐसे करें सेवन

काढ़ा कई तरह के जड़ी-बूटियों से तैयार किया जाने वाला एक तरह का औषधिय पेय होता है। ठंड के मौसम में काढ़े का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखने के साथ ही फ्लू और वायरस से बचाने का काम भी करते हैं। ठंड के दिनों में शरीर को अधिक गर्माहट की जरूरत होती है। स्वेटर, रजाई आपके शरीर को बाहर से गर्म रखने का काम करते हैं। लेकिन निरोग रहने के लिए आंतरिक तापमान का नॉर्मल रहना जरूरी है। यह तब ही मुमकिन हो पाता है जब आप गर्म प्रकृति वाले खान-पान का सेवन करते हैं। यही वजह है कि एक्सपर्ट सर्दियों के दिनों में नॉर्मल चाय की जगह पर काढ़ा पीने की सलाह देते हैं।

विंटर सुपर ड्रिंक से ये बीमारियां रहती हैं दूर

सर्दी-खांसी, कैंसर, हाई कोलेस्ट्रॉल, सूजन, लीवर डिजीज, ब्रेन डिजीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड शुगर, मोटापा, फ्लू, डाइजेशन प्रॉब्लम।

अदरक

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, अदरक सर्दी, गले में खराश, बलगम और बॉडी में सूजन से बचाव करने का काम करता है। अदरक में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल जैसे औषधीय गुण मौजूद होते हैं, जो इसे ठंड के मौसम के लिए बेहतर औषधी बनाते हैं।

दालचीनी

दालचीनी एक गर्म मसाला होता है, इसलिए एक्सपर्ट ठंड में इसके सेवन की सलाह देती हैं। दालचीनी में एंटी-डायबिटीक गुण मौजूद होता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नॉर्मल रखने का काम करता है। इसके अलावा दालचीनी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इफ्लेमेंटरी वाले औषधीय गुण भी होते हैं, जो कैंसर, पाचन संबंधी बीमारी, सूजन आदि से बॉडी की रक्षा करते हैं।

मुलेठी

मुलेठी प्राचीन समय से आयुर्वेद में इस्तेमाल की जाने वाली जड़ी-बूटी है। मुलेठी में एंटीसेप्टिक, एंटी-डायबिटीक से लेकर एंटीऑक्सीडेंट गुण और श्वसन और लीवर संबंधित बीमारियों से लड़ने वाले गुण होते हैं। इसके अलावा एक्सपर्ट बताती हैं कि मुलेठी अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने, वेट लॉस करने और गले की खराश-खांसी के उपचार में भी मदद करता है।

ऐसे बनाएं काढ़ा

सामाग्री-मुलेठी, अदरक, दालचीनी।

विधि: विंटर के इस सुपर ड्रिंक को बनाने के लिए 3-4 घंटे पहले मुलेठी, अदरक और दालचीनी का एक-एक टुकड़ा पानी में भिगोया छोड़ दें। अब इसे एक बर्तन में 5-10 मिनट के लिए उबाल लिजिए। फिर छानकर इसका सेवन करें।

कैसे करें सेवन: इसे आप शाम की चाय के स्थान पर पी सकते हैं। बस ध्यान रहें कि इसमें चायपत्ती न डालें। इस ड्रिंक का सेवन दिन में दो बार सुबह-शाम कर सकते हैं।

डिस्क्लेमर: यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

चुटकियों में कब्ज की समस्या से पाएं निजात, हैं ये आसान उपाय

आजकल कब्ज आम समस्या बन गई है। इससे कोई भी प्रभावित हो सकता है। गर्भावस्था में महिलाओं को भी कब्ज की समस्या होती है। इस स्थिति में पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इसके चलते कब्ज से पीड़ित व्यक्ति को मल त्याग में दिक्कत होती है। लंबे समय तक कब्ज रहने से कई बीमारियां जन्म लेती हैं। इससे सिरदर्द, गैस, भूख न लगने की समस्या होती है। कब्ज की समस्या में कोताही नहीं बरतनी चाहिए। आइए, कब्ज के कारण, लक्षण और उपाय जानते हैं-

कब्ज के कारण

- पानी कम पीना
-डिहाइड्रेशन
- फाइबर की कमी
-अत्यधिक आराम
-खराब दिनचर्या
-गर्भावस्था
-दवा के दुष्प्रभाव
-शराब का सेवन
-धूम्रपान

कब्ज के लक्षण
-चक्कर आना
-जी मिचलाना
-मुंहासे
-पेट में भारीपन
-हाजमा खराब होना
-सिर दर्द

घी का सेवन करें

घी से न केवल जायके का स्वाद बढ़ता है, बल्कि शरीर भी बलवान होता है। इससे शरीर को वसा की प्राप्ति होती है। डॉक्टर दुबले पतले लोगों को वजन बढ़ाने के लिए घी खाने की सलाह देते हैं। इसके लिए खाना खाने से पहले एक चम्मच घी और चीनी का सेवन करें। इसके अलावा, घी के सेवन से कब्ज की समस्या दूर होती है। इसमें विटामिन ए, डी, ई पाया जाता है। ये आवश्यक पोषक तत्व कब्ज के लिए फायदेमंद होते हैं।

आंवले का सेवन करें

अगर आप कब्ज से परेशान हैं और इससे निजात पाना चाहते हैं, तो आंवले का सेवन कर सकते हैं। इसके सेवन से कब्ज की समस्या दूर होती है। आंवले में विटामिन-सी, फाइबर समेत कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके सेवन से मोटापा और मधुमेह में भी आराम मिलता है।

खजूर खाएं

हेल्थ एक्सपर्ट्स सर्दियों में सेहतमंद रहने के लिए खजूर खाने की सलाह देते हैं। वहीं, खजूर खाने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है। इससे शरीर में आयरन की कमी भी दूर होती है। इससे शरीर में ऊर्जा का संचार होता है।

मेथी का सेवन करें

पाचन तंत्र को मजबूत करने के लिए मेथी का सेवन करना फायदेमंद होता है। इसके सेवन से कब्ज में भी आराम मिलता है। इसके लिए रोजाना रात में सोने से पहले एक गिलास पानी में एक चम्मच मेथी के दाने भिगोकर रख दें। अगली सुबह मेथी पानी का सेवन करें।

अल्जाइमर को नजरअंदाज करना पड़ सकता है सेहत पर भारी

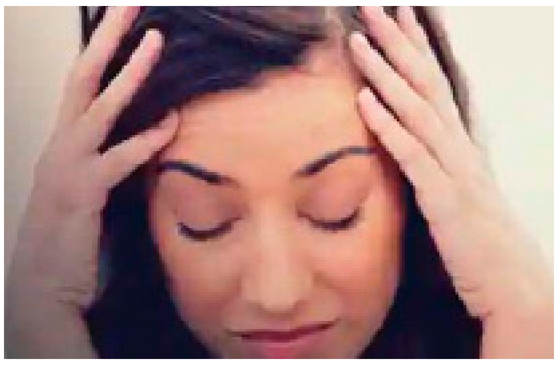

क्या आप चीजें रखने के बाद अक्सर भूल जाया करते हैं या फिर आपको किसी चीज को याद करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, अगर इन सवालों का जवाब हां में है तो आप अल्जाइमर रोग के शिकार हो सकते हैं।अल्जाइमर रोग दुनियाभर में तेजी से बढ़ते न्यूरोलॉजिकल विकारों में से एक है। इसे डेमेंशिया का सबसे सामान्य प्रकार भी माना जाता है। अल्जाइमर रोग के कारण लोगों का दैनिक जीवन भी प्रभावित हो सकता है।

ऐसे मेंआइए जानते हैं आखिर क्या है अल्जाइमर रोग, इसके लक्षण और बचाव के उपाय।

क्या है अल्जाइमर रोग–

अल्जाइमर रोग एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं, कई मामलों में मस्तिष्क में सिकुड़न की भी समस्या हो सकती है। आसान शब्दों में समझें तो अल्जाइमर रोग एक मानसिक विकार है, जिसके कारण मरीज की याद्दाश्त कमजोर हो जाती है और उसका असर दिमाग के कार्यों पर पड़ता है।आमतौर पर यह मध्यम उम्र या वृद्धावस्था में दिमाग के ऊतकों को नुकसान पहुंचने के कारण होता है।यह डिमेंशिया का सबसे आम प्रकार है, जिसका असर व्यक्ति की याद्दाश्त, सोचने की क्षमता, रोजमर्रा की गतिविधियों पर पड़ता है

अल्जाइमर के लक्षण–

-आपकी दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाली स्मृति में कमी
-समस्या सुलझाने में कठिनाई
-भाषण या लेखन के साथ परेशानी
-समय या स्थानों के बारे में भ्रमित हो जाना
-निर्णय लेने में कमी
-व्यक्तिगत स्वच्छता में कमी
-मनोदशा और व्यक्तित्व में परिवर्तन
-दोस्तों, परिवार और समाज से दूरी
-धूम्रपान से बचें ।
-नियमित रूप से व्यायाम करें।

घर को एलर्जी से दूर रखने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

घर पर हे फीवर या एलर्जी अस्थमा के लक्षणों का अनुभव करना आम हो रहा है। एलर्जी हमेशा किसी एक मौसम में नहीं होती है। ये साल के किसी भी समय आप पर हमला कर सकती है।

हालांकि जब बाहर की दुनिया की बात आती है तो आप बदलाव नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे कदम हैं जिन्हें आप अपने घर में एलर्जी को कम करने के लिए अपना सकते हैं। कोशिश करें कि आपका घर किसी भी ऐसे तत्व से मुक्त है जो आप को एलर्जी की समस्या से परेशान कर सकता है।

पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें

याद रखें कि बेडरूम आपके परिवार के हर सदस्य के लिए आराम की जगह है। अगर परिवार में किसी को पालतू जानवरों से एलर्जी है, तो अपने पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें। अपने पालतू जानवरों को एक अलग कमरे में सुलाएं। उन्हें हफ्ते में एक बार नहलाएं ताकि उनके फर से एलर्जी दूर हो सके।

फर्नीचर का चुनाव सोच-समझकर करें

क्या आप हर बार सोफे पर लेटने पर असुविधा महसूस करते हैं? फर्नीचर में अपहोल्स्ट्री या गंदगी इसका कारण हो सकती है। आप अपहोल्स्ट्री के बिना सोफा और कुर्सियों को चमड़े, लकड़ी, धातु या प्लास्टिक से बने फर्नीचर से बदल सकते हैं। ये साफ करने में आसान होते हैं और एलर्जी को भी दूर रखते हैं।

फ्रिज को साफ रखें

रेफ्रिजरेटर को साफ रखना आपकी रसोई को एलर्जी मुक्त और स्वच्छ रखने की दिशा में एक जरूरी कदम है। फ्रिज में ज्यादा नमी को पोंछें।

पसीने की बदबू दूर करने के कारगर DIYs

शरीर से दुर्गंध आना कई लोगों की एक आम समस्या है और गर्मी के मौसम में ज्यादा गर्मी और पसीने के कारण यह समस्या और भी बढ़ जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके पसीने में दूर ही काफी बदबू आती है।

गौर करें, तो पसीना आना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और पसीना गंधहीन होता है, लेकिन कई लोग यह सोचते हैं कि पसीना अगर गंधहीन यानी इसमें कोई भी महक नहीं होती, तो फिर कई लोगों के पसीने से बदबू क्यों आती है। यह शरीर पर बैक्टीरिया का विकास है, जो गंध का कारण बनता है। बाजार में कई बॉडी टैल्क और डिओडोरेंट्स उपलब्ध हैं, लेकिन वे लंबे समय तक बदबू का मुकाबला नहीं कर सकते हैं।

ठीक से नहाएं

नहाना सबसे अहम है। जिन लोगों को ज्यादा पसीना आता है, उन्हें रोजाना और दो बार नहाना चाहिए। एक अच्छे एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। आप ककड़ी, एलोवेरा, टी ट्री ऑयल, नीम या मेन्थॉल से दिन में दो बार बॉडी वाश भी ले सकते हैं। इससे शरीर से बैक्टीरिया दूर रहते हैं।

नीम की पत्तियां

नीम के कई औषधीय गुण हैं। मुट्ठी भर नीम की पत्तियों में पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। 15 मिनट के लिए लगाएं और धो लें। , नीम के पत्तों को पानी की बाल्टी में डालें और उस पानी से नहाएं।

नारियल का तेल

नारियल के तेल के कई फायदे होते हैं। नहाने के बाद अंडरआर्म्स पर नारियल का तेल लगाएं। नारियल तेल के रोजाना इस्तेमाल से भी अंडरआर्म्स का कालापन हल्का हो जाएगा। नारियल के तेल में पौष्टिक गुण होते हैं। यह स्किन को नमीयुक्त और पोषण भी देगा।

पानी पिएं

पर्याप्त पानी पीने से आप अंदर से हाइड्रेट रहेंगे। यह शरीर से टॉक्सिक को बाहर निकालता है, जिससे शरीर में बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को हटा दिया जाता है। साथ ही, पानी एक न्यूट्रलाइजर है, तो यह आंतों में बैक्टीरिया की रोकथाम भी करेगा।

मीठा सोडा

बेकिंग सोडा के पेस्ट को बराबर भागों में कॉर्न स्टार्च के साथ लगाने से नेचुरल डियोडोरेंट का काम होगा।

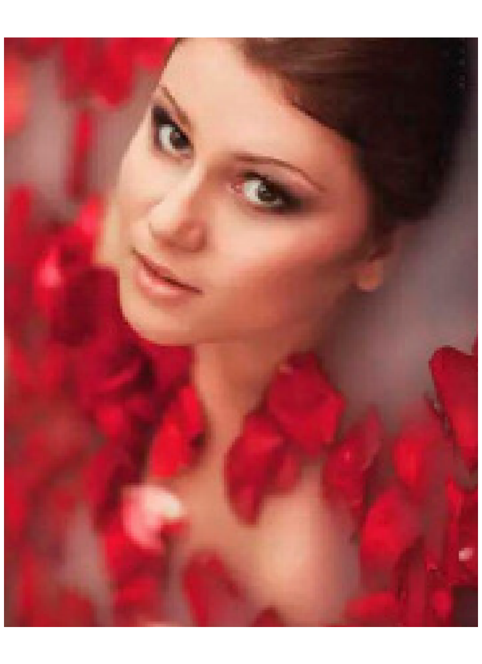

BNM Fantasy

अंकिता की मां ने बेटी को दी हिदायत

बिग बॉस में इन दिनों फैमिली वीक चल रहा है। सभी कंटेस्टेंट के घरवाले उनसे मिलने आ रहे हैं। इसी बीच अंकिता लोखंडे की मां वंदना लोखंडे बिग बॉस 17 के घर में आने के बाद बेटी अंकिता को कई सुझाव दिए। वंदना लोखंडे ने विक्की और अंकिता को उनके रिश्ते पर ध्यान देने के लिए कहा। इसके अलावा उन्होंने बेटी अंकिता को एक्स बॉयफ्रेंड सुशांत सिंह राजपूत का नाम शो में ना लेने की हिदायत दी। सभी घरवालों से मिलने के बाद अंकिता और उनकी मां पर्सनल बातचीत करने के लिए गार्डन में बैठती हैं। वहां उन्होंने अंकिता से कहा- अब तुम वर्तमान में रहो, अपने अतीत में वापस मत जाओ।

ए

'एनिमल' सक्सेस पार्टी: रश्मिका से गले मिलते नजर आए रणबीर

'एनिमल' फिल्म की सक्सेस पार्टी रखी गई। ये पार्टी मुंबई में जुहू के जेडब्ल्यू मैरियट होटल में हुई। ये मुंबई का पॉपुलर 5 स्टार होटल है, जहां अक्सर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े इवेंट्स और पार्टीज होती रहती हैं। इस पार्टी में काफी बी-टाउन सेलेब्स को स्पॉट किया गया। पार्टी में रणबीर कपूर को वाइफ आलिया, मां नीतू कपूर और ससुर महेश भट्ट के साथ देखा गया। रणबीर और आलिया ने भी साथ में पोज दिया। 'एनिमल' की भाभी 1 और भाभी 2 यानी कि रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी को भी स्पॉट किया गया। बॉबी देओल व्हाइट एंड ब्लैक आउटफिट में नजर आए। उन्होंने पैपराजी को अबरार का सिग्नेचर पोज भी दिया। इनके अलावा 'एनिमल' की टीम नजर आई। कपल रितेश और जेनेलिया भी साथ आए। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ग्लैमरस लुक में आईं। सुनील शेट्टी, मानुषी छिल्लर, तमन्ना भाटिया भी नजर आए। विवेक ओबेरॉय पिता सुरेश ओबेरॉय के साथ पार्टी में दिखे।1 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' ने ताबड़तोड़ कमाई की। दुनियाभर में इस फिल्म ने 800 करोड़ रुपए के ऊपर का कलेक्शन कर लिया है। 'एनिमल' को ऑडियंस का भी खूब प्यार मिला। वहीं इस फिल्म से बॉबी देओल, तृप्ति डिमरी की पॉपुलैरिटी भी काफी बढ़ गई। संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म रणबीर कपूर के करियर की अब तक कि सबसे सफल फिल्म साबित हुई है।

अर्चना गौतम ने खरीदा करोड़ों का घर

अचीवमेंट से दिया करारा जवाब

स्टार टॉक्स' में आपका स्वागत है। आज हम आपसे मिलवाएंगे उस पर्सनालिटी से जिन्होंने पिछले 7 सालों में मुंबई में 8 घर बदले। दरअसल, हर 11 महीने में उन्हें अपना किराए का घर बदलना पड़ता था। लेकिन, अब उन्हें इस मुसीबत से राहत मिल गई है। हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस-पॉलिटीशियन अर्चना गौतम की, जिन्होंने हाल ही में सपनों की नगरी, मुंबई में अपना खुद का आशियाना खरीदा है। वैसे, इस आशियाना की कीमत लाखों में नहीं बल्कि करोड़ों में है। अर्चना की मानें तो कई सालों पहले, बॉलीवुड के एक वेटरन एक्टर-विलेन ने उनकी अपनी बेटी के जूतों से तुलना की थी। अर्चना दुआ कर रही थीं कि उनकी अचीवमेंट देखने के लिए वह अभिनेता जिंदा रहे। उन्हें खुशी है कि उन्होंने जैसा चाहा वैसा हुआ। बता दें, अर्चना ने मुंबई के पॉश इलाके, अंधेरी वेस्ट में 2BHK लिया है। वे अपनी खानदान की पहली सदस्य हैं जिसके घर के बाहर 'गौतम' का नेमप्लेट लगेगा। दरअसल, अर्चना के पिता की एक छोटी सी जमीन थी जिसे उनके ही परिवार वालों ने हड़प लिया। वे अपने बच्चे और बीवी की खातिर, उन घरवालों से लड़े नहीं। इस घटना के बाद, वे कभी अपना घर नहीं बना पाए।अब अर्चना ने घर तो खरीद लिया लेकिन इस सपने को अंजाम तक पहुंचाना आसान नहीं था। सपनों के बीच आ गया उनका पॉलिटिकल कनेक्शन। अकाउंट में थोड़ी बहुत सेविंग्स थी जिसके भरोसे करोड़ों का घर खरीदने निकल तो पड़ीं, लेकिन कोई उन्हें लोन देने को तैयार नहीं था। हाल ही में अर्चना ने दैनिक भास्कर को अपने इस नए घर का टूर करवाया जिसके फर्नीचर का काम अभी शुरू होना बाकी है। वे जल्द ही अपने नए घर का इंटीरियर शुरू करने वाली हैं और इस साल के अप्रैल महीने तक वे वहां अपने पेरेंट्स के साथ शिफ्ट हो जाएंगी। अर्चना अपनी इस अचीवमेंट से बहुत खुश हैं। इंटरव्यू के दौरान, उन्होंने बताया कि वे अपने नए घर के इंटीरियर पर पूरी तरह से फोकस करना चाहती हैं और यही वजह है कि वे ज्यादा काम नहीं ले रही। हालांकि, इस घर में अपनी सेविंग्स लगा दी, यहां तक की अपनी मां के गहने तक गिरवी रख दिए।